जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
JAWAHARLAL NEHRU UNIVERSITY
नई दिल्ली – ११००६७
NEW DELHI - 110067

प्रोफेसर म. जगदीश कुमार
कुलपति
Professor M. Jagadesh Kumar
Vice-Chancellor

अपील

हिंदी दिवस 2020 के शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं !

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रगति में उस देश की भाषा की अहम भूमिका होती है। 'भाषा' भावों एवं विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम होती है। इसके बिना कोई भी राष्ट्र गूंगा होता है। भारतीय समाज की सम्पन्नता इसी बात में है कि यहां भारतीय भाषाओं की विविधता ही एकता की कड़ी है। फिर भी, बहुभाषिकता के बावजूद देश के कामकाज के लिए एक सर्वमान्य भाषा का होना जरुरी है।

अतएव, इसी बुनियादी जरुरत को महसूस करते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को देश की राजभाषा बनाया। हिंदी भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह हमारे राष्ट्र के स्वाभिमान की प्रतीक है। हिंदी भारत की संपर्क भाषा होते हुए भारतीय भाषाओं के हार की मध्यमणि भी है। इसे 14 सितंबर 1949 को **'संघ की राजभाषा'** का दर्जा दिया गया था। इस ऐतिहासिक दिन की स्मृति में हर वर्ष 14 सितंबर का दिन हिंदी दिवस के रुप में मनाया जाता है।

भाषा के मौखिक रुप के अलावा इसका लिखित रुप चिरकाल से अपरिहार्य बना हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में तो भाषा की भूमिका सर्वज्ञात है अर्थात् किसी से छुपी हुई नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भी अपनी भाषा के महत्व पर बल दिया गया है। अपनी भाषा के माध्यम से ही असली ज्ञानार्जन अधिक सरल और सहज बन पड़ता है। अतएव, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली राष्ट्र की नई शिक्षा नीति के सुचारु कार्यान्वयन के लिए कृतसंकल्प है। यह विश्वविद्यालय अपने दैनंदिन कामकाज में भारत सरकार की राजभाषा नीति (प्रेरणा, प्रोत्साहन और पुरस्कार की नीति) के कार्यान्वयन के प्रति सजग है। यहाँ हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कई अधिकारी एवं स्टाफ सदस्य अपना अधिकांश कामकाज राजभाषा हिंदी में ही करते हैं। यह मेरे लिए गौरव की बात है। विश्वविद्यालय उनके प्रयासों की सराहना करता है। पूरा विश्वविद्यालय समुदाय इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए अग्रसर है। हमें सच्चे देशभक्त के रुप में अपनी भाषा, अपनी माँ और अपनी मातृभूमि का मान हमेशा बढ़ाते रहना चाहिए।

आइए, हम सब मिलकर राजभाषा हिंदी को आत्मसात कर इसके 'बहते नीर' का हिस्सा बनें और इसकी सहजता, सरलता, व्यापकता, लोकप्रियता और सम्पन्नता में और अधिक सक्रिय सहयोग दें। मुझे पूरा यकीन, विश्वास एवं भरोसा है कि हमारे सम्मिल्लित एवं सार्थक प्रयासों से राजभाषा हिंदी को वह मुकाम मिलेगा जिसकी वह हकदार है।

सुमन जे कुमार

(एम. जगदीश कुमार)

Tel : 2674 1500, 2670 4001, 2674 2676 Ext. 4001 • Fax : +91-11-2674 2580
• Res. : 2674 1555, 2670 4733 • E-mail : vc@mail.jnu.ac.in